

प्रेषक,

एन0एस0नपलच्याल,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,  
उधमसिंहनगर।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 11 अगस्त, 2006

विषय:- गै0 सामिया इण्टरनेशनल बिल्डर्स प्रा0लि0 को आवासीय परियोजना के निर्माण हेतु जनपद उधमसिंहनगर की तहसील किच्छा के ग्राम दानपुर में कुल 50 है0 भूमि कय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1050/सात-रा0भू0अ0/2006 दिनांक 14 जुलाई, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय गै0सामिया इण्टरनेशनल बिल्डर्स प्रा0लि0 को आवासीय परियोजना के निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950 की धारा 154(2) एवं उत्तरांचल (उ0प्र0 जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत तहसील किच्छा के ग्राम दानपुर में कुल 50 है0 भूमि कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- केंता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।
- 2- केंता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- 3- केंता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

- 4- जिस भूमि का संकमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्रय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संकमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंकमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- प्रश्नगत संस्था उक्त क्षेत्र में प्रचलित महायोजना में प्रस्तावित भूमि का भू-उपयोग यदि आवासीय से भिन्न है, तो उसे नियमानुसार आवासीय में परिवर्तित करायेगी।
- 7- आवास विभाग के अन्तर्गत प्रचलित उक्त क्षेत्र में प्रचलित अधिनियमों एवं भवन उपविधियों के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही सम्पन्न कराते हुए भवन निर्माण के प्लान को आवास विभाग, उत्तरांचल शासन से स्वीकृत कराने के पश्चात ही स्थल पर निर्माण करायेगी।
- 8- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन०एस०नपलव्याल)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
- 1- मुख्या राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, कुमाँयू मण्डल, नैनीताल।
- 3- सचिव, आवास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- श्री मनोज जोशी, अधिकृत प्रतिनिधि, मै० सामिया इन्टरनेशनल विल्डर्स प्रा०लि० सामिया हाऊस, बी-1/6 कामर्शियल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-50 नोएडा री०-9
- 5- निर्देशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)  
अनुसचिव।